Amar Ujala

राष्ट्रीय सम्मेलन में नवाचारों की चमक 14 स्टार्टअप को जारी हुई इग्निशन ग्रांट

30 फीसदी महिला नेतृत्व वाले उद्यम, पिचिंग प्रतियोगिता में 20 टीमों ने पेश किए आइडिया

संवाद न्यूज एजेंसी

हमीरपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान हमीरपुर में सोमवार को राष्ट्रीय स्टार्टअप शिखर सम्मेलन-2026 का आयोजन किया गया। सम्मेलन में पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, सौर ऊर्जा और उभरती तकनीकों से जुड़े नवाचारों को मंच मिला।

कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के इंक्यूबेशन सेंटर की ओर से उत्तिष्ठति फाउंडेशन के माध्यम से किया गया, जिसे भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग का सहयोग प्राप्त है। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के निदेशक प्रो. एचएम सूर्यवंशी ने किया।

उद्घाटन सत्र में डीएसटी-आईटीबीआई कार्यक्रम के तहत 14 स्टार्टअप परियोजनाओं को इग्निशन ग्रांट प्रदान की गई। इनमें करीब 30 प्रतिशत उद्यम महिला नेतृत्व में संचालित हो रहे हैं। सम्मेलन के दौरान स्टार्टअप पिचिंग प्रतियोगिता भी हुई, जिसमें 20 टीमों के लगभग 50 प्रतिभागियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

प्रतिभागियों का मूल्यांकन व्यवहार्यता, समस्या समाधान, स्पष्ट दृष्टिकोण और नवाचार के आधार पर किया गया। सत्र की अध्यक्षता एनआईटी हमीरपुर की डीन (अनुसंधान एवं परामर्श) एवं रजिस्ट्रार डॉ. अर्चना नानोटी ने की। इंक्यूबेशन सेंटर की प्रभारी डॉ. पामिता अवस्थी ने बताया कि सम्मेलन के विषय आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया जैसी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप तय किए गए हैं।

सम्मेलन में कृषि प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष व रक्षा नवाचार, गहन तकनीक और उभरती प्रौद्योगिकियों से जुड़े स्टार्टअप विचारों पर चर्चा हुई। इस मौके पर सीएसआईआर-सीएसआईओ चंडीगढ़ के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. सुरेंद्र सिंह सैनी, एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ की सहायक प्रोफेसर डॉ. गरिमा सैनी, एनआईटी हमीरपुर के सहायक प्रोफेसर डॉ. राकेश शर्मा और भारत फ्लो एनालिटिक्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक एवं सह-संस्थापक प्रणव नारायण झा सहित कई विशेषज्ञ मौजूद रहे।

राष्ट्रीय स्टार्टअप सम्मेलन में इग्निशन ग्रांट प्राप्त करने वाले प्रतिभागी एनआईटी हमीरपुर के निदेशक रजिस्ट्रार एवं आयोजकों के साथ। फोटो : संस्थान

स्टार्टअप पिचिंग प्रतियोगिता में ये बने विजेता

स्टार्टअप पिचिंग प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ तीन नवाचारों को पुरस्कार देकर नियुक्त इंक्यूबेशन के लिए चुना गया। राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज नगरोटा बगवां के प्रकृति बीयर प्रोजेक्ट और एनआईटी हमीरपुर के लोफ्लेम प्रोजेक्ट को संयुक्त रूप से प्रथम स्थान मिला। बुखारी प्रोजेक्ट को द्वितीय और एनआईटी हमीरपुर की जेनिथ टीम को तृतीय पुरस्कार दिया गया। विजेताओं को क्रमशः 51 हजार, 21 हजार और 11 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान हमीरपुर में स्टार्टअप शिखर सम्मेलन-2026 आयोजित

The Tribune

14 startup projects awarded ignition grants during summit at NIT-Hamirpur

OUR CORRESPONDENT

HAMIRPUR, MARCH 10

The Uttishthati Foundation organised the National Startup Summit-2026 at the National Institute of Technology (NIT) here on Monday with an i-TBI incubator supported by the Department of Science and Technology of the Central Government.

Prof HM Suryavanshi, Director of NIT, said that 14 startup projects were awarded ignition grants under the DST-ITBI programme through the institute's incubation centre. He added that these startups were at different stages of development, with nearly 30 per cent being women-led ventures. He said the NIT Incubator was focusing on key areas such as sustainability, climate change, agri-tech and emerging technologies.

Suryavanshi said that the primary aim of the incubation centre was to promote self-employment, generate employment opportunities and encourage innovation among young entrepreneurs. He added that over the past decade, NIT was actively working to develop a vibrant startup ecosystem on campus through collaboration among academia, industry, investors and other stakeholders.

Convenor Dr Pamita Awasthi said that the thematic areas of the event were aligned with national priorities such as self-sustainability and the Make in India initiative. She noted that the summit focused on sectors, including agri-tech, space and defence innovation, deep-tech, emerging technologies and encouraged greater participation of women entrepreneurs from the region to establish independent enterprises.

The summit also featured PitchX, a startup pitching competition in which 50 participants forming 20 teams competed for the Best Pitch Awards. The PitchX competition was judged by a panel of experts comprising Dr Surender Singh Saini, chief scientist CSIR-CSIO Chandigarh, Dr Garima Saini, assistant professor NITTTR, Chandigarh, Dr Pamita Awasthi, founder director of Uttishthati Foundation, Dr Rakesh Sharma, assistant professor at Department of Electronics and Communication, NIT, and Pranab Narayan Jha, director and co-founder of Bharat Flow Analytics Pvt Ltd.

Participants with Prof HM Suryavanshi during the National Startup Summit-2026 at NIT-Hamirpur.

Punjab Kesari

एन.आई.टी. में 14 स्टार्टअप को मिली इग्निशन ग्रांट

राष्ट्रीय स्टार्टअप शिखर सम्मेलन 2026 का किया आयोजन

हमीरपुर, 9 मार्च (राजीव) : एन.आई.टी. हमीरपुर में सोमवार को राष्ट्रीय स्टार्टअप शिखर सम्मेलन 2026 का आयोजन उत्तिष्ठति फाऊंडेशन द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ एन.आई.टी. हमीरपुर के निदेशक प्रो. एच.एम. सूर्यवंशी द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। उन्होंने कहा कि इनक्यूबेशन सैंटर का प्राथमिक उद्देश्य स्वरोजगार को बढ़ावा देना, रोजगार के अवसर पैदा करना और युवा उद्यमियों के बीच नवाचार को प्रोत्साहित करना है।

डा. पामिता अवस्थी ने इस बात पर जोर दिया कि इस कार्यक्रम के विषयगत क्षेत्र आत्मनिर्भरता और मेक इन इंडिया पहल जैसी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप हैं। उन्होंने बताया कि शिखर सम्मेलन कृषि-तकनीक, अंतरिक्ष एवं रक्षा नवाचार, गहन तकनीक और उभरती प्रौद्योगिकियों सहित विभिन्न क्षेत्रों पर केंद्रित है। उन्होंने इस क्षेत्र की महिला उद्यमियों को स्वतंत्र उद्यम स्थापित करने के लिए अधिक से अधिक भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया।

हमीरपुर : स्टार्टअप पिचिंग प्रतियोगिता के विजेता छात्र एन.आई.टी. हमीरपुर के निदेशक प्रो. एच.एम. सूर्यवंशी व अन्य सदस्यों के साथ सामूहिक चित्र में। (राजीव)

स्टार्टअप पिचिंग प्रतियोगिता में 50 प्रतिभागियों ने लिया भाग

इस अवसर पर पिच एक्स नामक एक स्टार्टअप पिचिंग प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें 20 टीमों के 50 प्रतिभागियों ने सर्वश्रेष्ठ पिच पुरस्कार के लिए प्रतिस्पर्धा की। इस प्रतियोगिता में सबसे नवीन, प्रभावशाली और विस्तार योग्य स्टार्टअप विचारों को सम्मानित किया गया।

बता दें कि इस सत्र की अध्यक्षता एन.आई.टी. हमीरपुर के डीन और रजिस्ट्रार अर्चना संतोष ननोटी ने की। इसमें देशभर से आमंत्रित विशेषज्ञों के एक प्रतिष्ठित पैनल ने भी भाग लिया। इस दौरान संस्थान के इनक्यूबेशन सैंटर के माध्यम से डी.एस.टी.-आई.टी.बी.आई. कार्यक्रम के तहत 14 स्टार्टअप परियोजनाओं को इग्निशन ग्रांट प्रदान की।

इस पिचएक्स प्रतियोगिता का मूल्यांकन विशेषज्ञों के एक पैनल द्वारा किया गया, जिसमें डा. सुरेंद्र सिंह सैनी मुख्य वैज्ञानिक सी.एस.आई.आर.-सी.एस.आई.ओ.ए. चंडीगढ़, डा. गरिमा सैनी सहायक प्रोफैसर एन.आई.टी.टी.टी.आर. चंडीगढ़, डा. पमिता अवस्थी प्रधान अन्वेषक संस्थापक निदेशक उत्तिष्ठति फाऊंडेशन, डा. राकेश शर्मा सहायक प्रोफैसर इलैक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग एन.आई.टी. हमीरपुर व प्रणव नारायण झा निदेशक एवं सह-संस्थापक भारत फ्लो एनालिटिक्स शामिल रहे।

Amar Ujala

अमर उजाला | हमीरपुर | amarujala.com

पोर्टेबल बुखारी में ओवन के साथ स्टीमर-गीजर की भी सुविधा

लकड़ी की खपत भी 40 फीसदी तक होगी कम, पर्यावरण संरक्षण की दिशा में दो व्यक्तियों ने तैयार किया अनूठा नवाचार

कमलेश रतन भारद्वाज

हमीरपुर। पहाड़ी और बर्फीले इलाकों में पर्यावरण संरक्षण के साथ ऊर्जा के बेहतर उपयोग की दिशा में एक अनूठा नवाचार सामने आया है। जिले के नादनी निवासी दो व्यक्तियों ने पारंपरिक बुखारी (तंदूर) को आधुनिक तकनीक के साथ ईको फ्रेंडली हाइटेक बुखारी में बदल दिया है।

इस पोर्टेबल बुखारी में ओवन, स्टीमर और गीजर जैसी कई सुविधाएं एक साथ उपलब्ध हैं, जबकि इसकी सबसे बड़ी खासियत लकड़ी की खपत को करीब 40 फीसदी तक कम करना है।

तीन फुट ऊंचाई वाली इस बुखारी में 20 लीटर पानी के

एनआईटी के इंक्यूबेशन सेंटर से मिला समर्थन, स्टार्टअप समिट में पाया दूसरा स्थान

एक्सक्लूसिव

निकालने के लिए नल भी लगाया गया है। इसके साथ ही स्टीमर का इनबिल्ट सेटअप भी दिया गया है। बुखारी को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने के लिए इसमें चार पहिए लगाए गए हैं, जिससे यह पूरी तरह पोर्टेबल बन गई है।

हमीरपुर जिले के नादनी निवासी विज्ञान स्नातक एवं सरकारी कर्मी रोहित शर्मा और जमा दो पास उद्यमी अस्वनी शर्मा ने इस हाइटेक बुखारी का प्रोटोटाइप तैयार किया है।

दोनों ने अपने इस नवाचार को एनआईटी हमीरपुर में आयोजित राष्ट्रीय स्टार्टअप शिखर सम्मेलन-

बुखारी के प्रोटोटाइप को पेश करते रोहित और अश्वनी इंक्यूबेशन सेंटर प्रभारी डॉ. पमिता के साथ। संवाद

इस प्रोटोटाइप को इंक्यूबेशन के लिए चयनित किया गया और प्रतियोगिता में इसे दूसरा स्थान मिला। इसके लिए दोनों उद्यमियों को तीस हजार रुपये पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

इस हाइटेक बुखारी में लकड़ी

एक बार जलाने पर कई घंटे तक गर्म रहेगा कमरा

इस हाइटेक बुखारी में पानी गर्म करने, खाना बनाने और कमरे को गर्म रखने की सुविधाएं एक साथ उपलब्ध हैं। एक बार खाना बनाने के बाद यह कमरे को सात से आठ घंटे तक गर्म रख सकती है।

टर्किश बुखारी को देगी टक्कर

मौजूदा समय में बाजार में उपलब्ध टर्किश बुखारी कुछ समान सुविधाएं देती है, लेकिन उसमें पानी के भंडारण और इनबिल्ट स्टीमर जैसी सुविधा नहीं है। टर्किश बुखारी की कीमत करीब एक लाख रुपये तक होती है, जबकि इस हाइटेक बुखारी की कीमत लगभग 40 हजार रुपये रखी गई है। महज दो किलोग्राम लकड़ी से इसे करीब दस मिनट में गर्म किया जा सकता है।

पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा के बेहतर उपयोग को ध्यान में रखते हुए यह नवाचार तैयार किया गया है। इंक्यूबेशन सेंटर में इसे निशुल्क इंक्यूबेशन की सुविधा दी जाएगी और प्रोटोटाइप को किफायती करने के साथ पेटेंट दाखिल करने में भी उद्यमियों की सहायता की जाएगी।

-डॉ. पमिता अवस्थी, प्रभारी इंक्यूबेशन सेंटर, एनआईटी हमीरपुर

गर्माहट देने और कई उपयोगी सुविधाएं जोड़ने का प्रयास किया गया है। रोहित शर्मा के अनुसार ठंडे क्षेत्रों में जहां तंदूर का सहारा लेना पड़ता है, वहां लकड़ी की खपत बहुत अधिक होती है। इस हाइटेक बुखारी के प्रयोग से यह खपत लगभग 40 प्रतिशत तक कम हो सकती है और इसकी

Dainik Jagran

एनआइटी हमीरपुर में 14 स्टार्टअप परियोजनाओं को इग्निशन ग्रांट

जागरण संवाददाता, हमीरपुर : राष्ट्रीय स्टार्टअप शिखर सम्मेलन का आयोजन एनआइटी हमीरपुर में उत्तिष्ठति फाउंडेशन द्वारा किया गया। उत्तिष्ठति फाउंडेशन एनआइटी हमीरपुर की सेक्शन-8 कंपनी और भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा समर्थित आइ-टीबीआइ इनक्यूबेटर है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एनआइटी हमीरपुर के निदेशक प्रो. एच एम सूर्यवंशी ने किया। उद्घाटन सत्र के दौरान संस्थान के इनक्यूबेशन सेंटर के माध्यम से डीएसटी-आइ-टीबीआइ कार्यक्रम के तहत 14 स्टार्टअप परियोजनाओं को इग्निशन ग्रांट प्रदान किए गए।

ये स्टार्टअप उत्पाद विकास के विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें से लगभग 30 प्रतिशत महिला नेतृत्व वाले उद्यम हैं जो स्थिरता, जलवायु परिवर्तन, कृषि तकनीक और उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इस सत्र की अध्यक्षता एनआइटी हमीरपुर के डीन (अनुसंधान एवं परामर्श) और रजिस्ट्रार ने की। देशभर से आमंत्रित विशेषज्ञों के एक प्रतिष्ठित पैनल ने भी इस सत्र में भाग लिया। डा. पामिता अवस्थी ने शिखर सम्मेलन के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस कार्यक्रम के विषयगत क्षेत्र आत्मनिर्भरता और मेक इन इंडिया पहल जैसी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप हैं। शिखर सम्मेलन कृषि तकनीक, अंतरिक्ष एवं रक्षा नवाचार, गहन तकनीक और उभरती प्रौद्योगिकियों सहित विभिन्न क्षेत्रों पर केंद्रित है। उन्होंने इस क्षेत्र की महिला उद्यमियों को स्वतंत्र उद्यम स्थापित करने के लिए अधिक से अधिक भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया। सभा को संबोधित करते हुए प्रोफेसर एच एम सूर्यवंशी ने कहा कि इनक्यूबेशन सेंटर का प्राथमिक उद्देश्य स्वरोजगार को बढ़ावा देना, रोजगार के अवसर पैदा करना और युवा उद्यमियों के बीच नवाचार को प्रोत्साहित करना है। पिछले एक दशक से एनआइटी हमीरपुर शिक्षाविदों, उद्योग, निवेशकों और अन्य हितधारकों के सहयोग से परिसर में एक जीवंत स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए काम कर रहा है। शिखर सम्मेलन में पिचएक्स नामक एक स्टार्टअप पिचिंग प्रतियोगिता भी शामिल थी जिसमें 20 टीमों के 50 प्रतिभागियों ने सर्वश्रेष्ठ पिच पुरस्कार के लिए प्रतिस्पर्धा की। इस प्रतियोगिता में सबसे नवीन, प्रभावशाली और विस्तार योग्य स्टार्टअप विचारों को सम्मानित किया गया। टीमों का मूल्यांकन व्यवहार्यता, समस्या-समाधान की उपयुक्तता, स्पष्ट दृष्टिकोण और नवीनता के आधार पर किया गया। प्रतियोगिता का मूल्यांकन विशेषज्ञों के एक पैनल द्वारा किया गया जिसमें डा. सुरेन्द्र सिंह सैनी मुख्य वैज्ञानिक, सीएसआइआर-सीएसआइओ, चंडीगढ़, डा. गरिमा सैनी सहायक प्रोफेसर, एनआइटीटीटीआर चंडीगढ़, डा. पमिता अवस्थी प्रधान अन्वेषक, संस्थापक निदेशक उत्तिष्ठति फाउंडेशन एनआइटी हमीरपुर, डा. राकेश शर्मा सहायक प्रोफेसर, इलेक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग एनआइटी हमीरपुर तथा प्रणव नारायण झा निदेशक एवं सहसंस्थापक, भारत फ्लो एनालिटिक्स शामिल थे।

राष्ट्रीय स्टार्टअप शिखर सम्मेलन में उपस्थित गण्यमान्य • जागरण

Dainik Bhaskar

एनआईटी में राष्ट्रीय स्टार्टअप शिखर सम्मेलन का किया आयोजन

हमीरपुर | एनआईटी में राष्ट्रीय स्टार्टअप शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया। डीएसटी-आई-टीबीआई कार्यक्रम के तहत 14 स्टार्टअप परियोजनाओं को ग्रांट प्रदान किए गए। स्टार्टअप में उत्पाद विकास के विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें से लगभग 30 प्रतिशत महिला नेतृत्व वाले उद्यम हैं, जो स्थिरता, जलवायु परिवर्तन, कृषि-तकनीक और उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।